पाठ–10

नीति–सुधा

कदली सीप भुजंग मुख, स्वाति एक गुण तीन।
जैसी संगति बैठिऐ, तैसो ही फल दीन।।

पावस देखि रहीम मन, कोयल साधी मौन।
अब दादुर वक्ता भये, हमको पूछत कौन।

रहीम

बड़े न हूजै गुननि बिन, बिरद बड़ाई पाय।
कहत धतूरे सो कनक, गहनो गढ़्यो न जाय।।

अति अगाध अति ओथरो, नदी कूप सर बाय।
सो ताको सागर जहाँ, जाकी प्यास बुझाय।।

बिहारी

वणी सूत री सींदरी, वणी सूत री पाग।
बंधवा बंधवा में फरक, जश्यो जणींरो भाग।।
काम बड़ो वो ही बड़ो, वृथा बड़ो आकार।
मेंगल मोटा दाँत सो, ना ना नख रो नार।।

चतरसिंह बावजी

कृपण जतन धन रो करे, कायर जीव जतन।
सूर जतन उण रो करे, जिण रौ खायो अन्न।।

सूर न पूछे टीपणो, सकुन न देखे सूर।
मरणा नूँ मंगल गिणै, समर चढ़ै मुख नूर।।

सुत मरियो हित देश रे, हरख्यो बंधु समाज।
माँ नहीं हरखी जनम दे, जतरी हरखी आज।।

बाँकीदासजी

जो जाको गुन जानहि, सो तिहि आदर देत।
कोकिल अंबहि लेत है, काग निबोरी लेत।

दीबो अवसर को भलो, जासो सुधरे काम।
खेती सूखे बरसिवो,घन को कोने काम।।

वृन्द

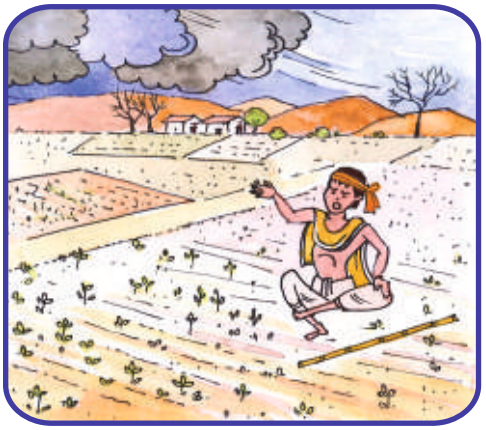

शब्दार्थ

कदली	–	केला	भुजंग	–	सर्प
पावस	–	वर्षा	दादुर	–	मेंढक
सींदरी	–	रस्सी	वृथा	–	बेकार
मेंगल	–	हाथी	नार	–	शेर
टीपणो	–	पंचांग	कनक	–	सोना
अगाध	–	गहरा	ओथरो	–	छिछला

अभ्यास कार्य

पाठ से

उच्चारण के लिए

हरखी, हरख्यो, जतन, जणींरो, मेंगल,

सोचें और बताएँ

1. कायर और कृपण किसका जतन करते हैं ?
2. बूँद पर कदली की संगत का क्या प्रभाव पड़ता है ?
3. कोयल व कौआ एक रंग के होते हैं, लेकिन उनके बोलने में क्या अंतर है ?

लिखें

बहुविकल्पी प्रश्न

1. कवि बाँकीदास ने सूर कहा है –
   (क) किसान को (ख) वीर पुरुष को
   (ग) व्यापारी को (घ) राजा को ( )
2. मेंगल मोटा दाँत सों ना ना नखरो नार। यहाँ रेखांकित शब्द का अर्थ है –
   (क) शेर (ख) बन्दर
   (ग) हाथी (घ) घोड़ा ( )

3. किस प्रकार के बलिदान पर बांधव लोग हर्षित होते हैं –
(क) अकाल मृत्यु पर (ख) देश हित में बलिदान पर
(ग) दुर्घटना में मृत्यु पर (घ) सामान्य मृत्यु पर ( )

दिये गए शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–
(पावस, दादुर, कदली, मेंगल, नार)

1. केले को ..... भी कहते हैं।
2. शेर को ..... भी कहते हैं।
3. वर्षा ऋतु को ..... ऋतु भी कहते हैं।
4. हाथी को ..... कहते हैं।
5. मेंढक को ..... भी कहते हैं।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. वर्षा ऋतु में कोयल के मौन हो जाने का क्या कारण है?
2. वृन्द ने खेती सूखने पर बरसने वाले बादलों को महत्त्व क्यों नहीं दिया ?
3. आदमी बिना गुण के महान क्यों नहीं होता?

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

1. कवि ने संगति का जो प्रभाव बताया है, उसे अपने शब्दों में लिखिए।
2. कवि बाँकीदास ने वीर पुरुष के क्या लक्षण बताए हैं?
3. 'दीबो अवसर को भलो, जासो सुधरे काम' का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

भाषा की बात

1. निम्नलिखित शब्दों को ध्यान पूर्वक पढ़िए –

बताना, बैठना, बोलना, जानना, देना, लेना, होना, गढ़ना, बुझाना।

ऊपर लिखे हुए **सभी शब्दों से किसी कार्य के होने या करने का बोध होता है। ऐसे शब्दों को 'क्रिया' शब्द कहते हैं।**

क्रिया के मुख्य रूप से दो भेद होते हैं –

(1) अकर्मक क्रिया (2) सकर्मक क्रिया

(i) अकर्मक क्रिया :– जिन क्रियाओं का फल सीधा कर्ता पर पड़ता है, उन्हें अकर्मक क्रिया कहते हैं। अकर्मक क्रियाओं का कर्म नहीं होता; जैसे –नीरज सोता है, किसको सोता है? इसका उत्तर कर्म के रूप में प्राप्त नहीं होता। अतः यहाँ 'सोता है' अकर्मक क्रिया है।

(2) सकर्मक क्रिया :– जिन क्रियाओं का फल कर्ता पर न पड़कर कर्म पर पड़ता है, उन्हें

सकर्मक क्रिया कहते हैं। सकर्मक क्रिया के लिए कर्म का होना आवश्यक है; जैसे–सुशीला केला खाती है। किसको खाती है। 'केले को'। अतः यहाँ 'खाती है' सकर्मक क्रिया है।

आप भी दिए गए वाक्यों में से अकर्मक क्रिया छाँटकर लिखिए।

1. रवि सड़क पर दौड़ता है।
2. सुषमा गाती है।
3. अक्षय पुस्तक पढ़ रहा था।
4. राधा स्नान करेगी।

पाठ से आगे

1. पाठ में रहीम ने संगति का असर होना बताया है। आप पर अपने साथियों की किन–किन बातों का असर पड़ता है। लिखिए।
2. बाँकीदास जी ने शगुन देखना व पंचांग देखकर कार्य करने को व्यर्थ बताया है। आप इस बारे में क्या सोचते हैं? लिखिए।

यह भी करें

1. पाठ में आए दोहों को यादकर बाल सभा में सुनाइए।
2. पुस्तकालय से अन्य कवियों के नीतिपरक दोहे एकत्र करके अपनी डायरी में लिखिए।

जानें, गुनें और जीवन में उतारें

विचारों के युद्ध में पुस्तकें अस्त्र हैं।